प्रवाह

पिलानी - बुधवार , 21 अक्टूबर 2009

बिट्स में बहती ख़बरों की धारा

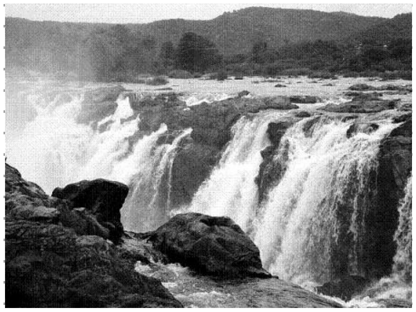

संपादक मंडली

शैलेश

आलोक सोनी

प्रेम शंकर

ऋत्विक राज

लोकेश राज

विभु गोयनका

सौरभ कश्यप

गणेश

उज्ज्वल जैन

कुलदीप

किशन

विकल्प

नीतिश

रोहन महाजन

प्रीति

अर्पिता

सुरभि सिंह

सुरभि गुप्ता

सुगंधा

सोनल

स्वाति

प्रतीक

निमिष

लोकेश जिंदल

सौरव

निशांक

अनुजा

सिद्धार्थ

अंजुम

रोहित

अपने सुझाव व शिकायतें हमें भेजें:

hindipressclub@gmail.com

कैम्पस की अन्य गतिविधियों से स्वयं को रूबरु रखिये :

www.

hpc-bits.blogspot.com

आते जाते खूबसूरत.....

प्रिय पाठकों ,

इस जहान में अक्सर आपकी किसी जाने पहचाने से टकराने की संभावना तो बनी रहती है पर कई बार उन जाने-अनजाने चेहरों के बीच में कोई अपना-सा जब मिल जाता है और बरसों पुरानी यादों को बांटता है तो आपकी लम्बे समय से चली आ रही नीरसता पल भर में जाने कहाँ दूर हो जाती है | ऐसा ही कुछ मेरा अनुभव था, डॉ .रेणु जी से बात करके | बालिका विद्यापीठ , पिलानी में 1976-79 के दौरान पढीं और वर्तमान में NIM-HANS , बंगलुरु में न्यूरोलॉजी विशेषज्ञ डॉ .रेणु के दिलो-दिमाग में उनके द्वारा पिलानी में बिताया गया समय जैसे आज भी तरो-ताज़ा है | वो सख्त नियम , नज़रें झुकाकर शिक्षकों के कड़े पहरे के बीच प्रत्येक शनिवार बाहर निकलना, आपस में गप्पें लड़ाना... समय मानो स्थिर सा हो गया था उनके लिए | और शायद आज तीस साल बाद भी मैं जब उन सन्दर्भों में पिलानी को देखता हूँ तो अंतर्मन में यही आवाज़ गूंजती है की 'समय मानो स्थिर सा हो गया है पिलानी के लिए' |

'समय की लिपि पर कुरेद कर अपना पता लिख भी दिया तुमने
तो भी इतिहास न मेरा है न तुम्हारा
यह तो एक समूह है जो इधर से गुज़र गया
एक गुमनाम पता है जो आगे मोड़ पर जा कर बिखर गया।'

यह स्थिरता तो सिक्के का एक पहलू था | दूसरी ओर इतिहास गवाह रहा है कि समय ने स्वयं की गतिशीलता को सिद्ध करने का एक भी मौका नहीं गँवाया है | अगस्त की चिलचिलाती धूप से सितम्बर की राहत देती वर्षा और अब दस्तक देती सर्दी की आहट बताते हैं कि सिर्फ गतिशीलता ही सनातन है | एक ओर कैम्पस अभी तक की सबसे रौशनमय (और कुछ हद तक कलरव कूजित कलयुग की) दीपावली का गवाह बना तो दूसरी ओर उससे कहीं अधिक उमंगमयी और जीवंत ओएसिस हमारे जीवन को 'फ्लिप' करने के लिए तैयार खड़ा है | इन दोनों में यदि कुछ समान है तो वह कभी न समाप्त होता छात्रों का उत्साह और उनकी कर्मठता |

' जग में रस की नदियाँ बहती, रसना दो बूंदें पाती है,
जीवन की झिलमिल-सी झाँकीनयनों के आगे आती है '

इस भरोसे के साथ कि ज़िन्दगी के पन्नों में आने वाला यह महापर्व ओएसिस पहले से कहीं अधिक गहरी और स्थायी छाप छोड़ कर जाएगा, मैं आपसे इजाज़त लेना चाहूँगा|

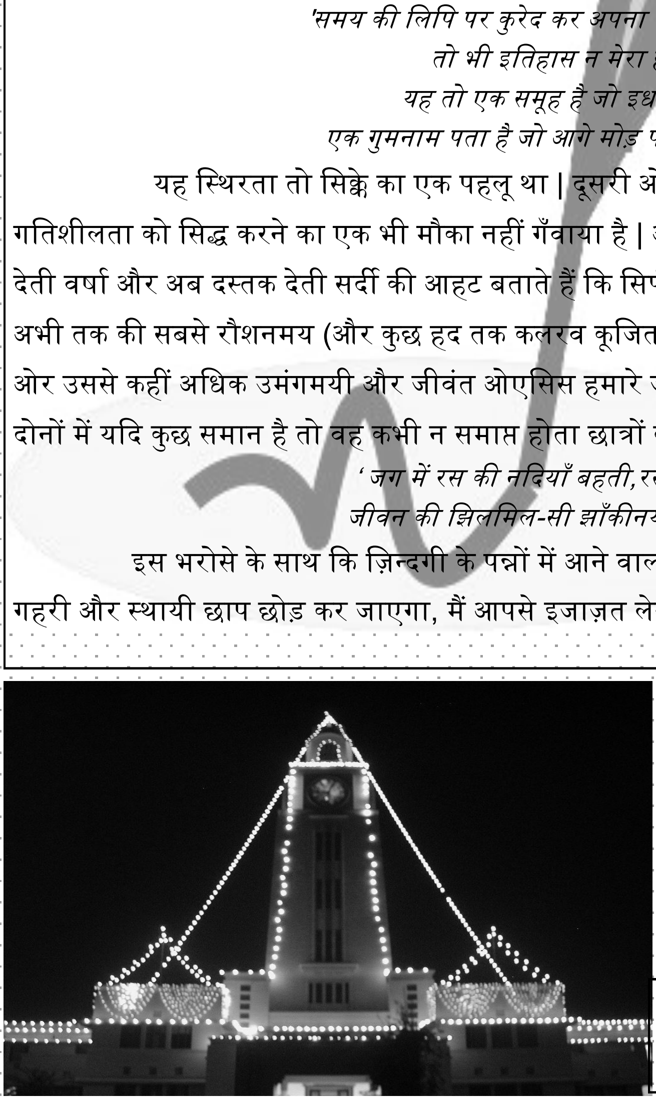

दीपावली के दौरान क्लॉक टॉवर का मनमोहक दृश्य

अन्दर के पृष्ठों पर :

2 - ***प्रेसीडेंट*** से मुलाकात

4 - यूँ ही चला चल राही

7 - इस ***ओएसिस*** में

8 - ***प्लेसमेंट्स*** -एक नज़र में

प्रेसीडेंट से मुलाकात

१.2009 के बिट्स स्टुडेंट यूनियन के चुनाव में आप एक बहुत बड़े अंतर से विजयी हुए हैं एक अध्यक्ष के तौर पर आपका अब तक का अनुभव कैसा रहा?

प्रेज़.:मैं पिछले वर्ष भी व्यास भवन का हॉस्टल प्रतिनिधि था तो मुझे चुनाव जीतने का अनुभव था ही| फिर भी यह एक बड़ी बात है कि बिट्स की जनता ने मुझ पर इतना विश्वास दिखाया और मुझे भारी मतों से विजयी बनाया| अब मैं उच्च स्तर पर भी उनके लिए काम कर सकता हूँ|

२.इस साल के ओएसिस से आपकी क्या अपेक्षाएं हैं? इसे एक अविस्मरणीय आयोजन बनाने के लिए आप की क्या तैयारियां हैं? अभी तक कितना प्रायोजन एकत्र हुआ है?

प्रेज़.:इस बार का ओएसिस विगत वर्षों की तुलना में काफी बड़े स्तर पर आयोजित होने वाला है। यहाँ के विभिन्न क्लबों और विभागों द्वारा फैश पी ,मेटामोर्फोसिस ,राज़मटाज़ आदि बड़े कार्यक्रम आयोजित होने जा रहे हैं। सम्पूर्ण आयोजन हेतु करीब 18 लाख राशि प्रायोजकों द्वारा प्रस्तावित हुई है तथा कई और प्रायोजकों के आने की अपेक्षा है।

३.चुनाव को बीते लगभग एक महीना हो चुका है| आपके घोषणापत्र में इंगित कितने बिन्दुओं को कार्यान्वित किया जा चुका है?

प्रेज़.:मैं हर काम को ठोस रूप देना चाहता हूँ| और मेरे घोषणापत्र के लगभाग हर बिंदु पर सतही तौर पर सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। अगले महीने तक सभी को कार्यान्वित कर दिया जायेगा |

४.क्या आप अपने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार की कुछ अच्छी घोषणाओं को भी अपने कार्य के अन्तर्गत लाना चाहेंगे?

प्रेज़.:पहले मैं अपने बिन्दुओं को वरीयता दूंगा और फिर अपने प्रतिद्वंद्वी के अच्छे बिन्दुओं पर अवश्य विचार करूँगा |पर मेरा प्रथम उद्देश्य अपने किये हुए वादों को पूरा करना ही रहेगा|

५.आपके घोषणापत्र में घुड़सवारी और पूल टेबल लाने की बातें थीं। इस सन्दर्भ में आपकी क्या प्रगति है ?

प्रेज़.: इस सन्दर्भ में मैंने प्रोफ. राजीव गुप्ता से बात कर ली है ; इसके आयोजक फिलहाल राष्ट्रीय स्तरीय पोलो प्रतियोगिता में व्यस्त हैं जिसके कारण इस कार्य में विलंब अपेक्षित है |

६.पिछले वर्ष की अपोजी का ISO प्रमाणित होना एक बड़ी सफलता थी। क्या इस बार ओएसिस में भी आपको ऐसी संभावनाएं दिखती है?

प्रेज़.:मेरा पहला लक्ष्य ओएसिस कि गुणवत्ता पर ध्यान देना है | मेरा मानना है कि फेस्ट की श्रेष्ठता को उसकी भव्यता और उसके प्रति लोगों में उत्साह से मापा जा सकता है| इसके लिए पहले हम ज़्यादा से ज़्यादा प्रायोजकों को आकर्षित करने की कोशिश करेंगे और तत्पश्चात इस सन्दर्भ में सोचेंगे |

७.इस बार के ओएसिस में बिट्सियन जनता के लिए आपका क्या सन्देश है?

प्रेज़: मैं बिट्सियन जनता से यही अनुरोध करना चाहूँगा, खासकर प्रथम वर्ष के छात्रों से कि वे ओएसिस के दौरान बिट्स में ही रहकर इसका आनंद उठाएं | चूंकि ओएसिस एक बहुत ही अच्छा फेस्ट माना जाता है और हम 5500 बाहर से आने वाली जनता में से सिर्फ 1500 को ही आने दे सकते हैं तो बिट्सियनस के लिए यह एक विशेष अधिकार के समान है |

जेन-सेक से मुलाकात

प्रश्न १- आपको यह पदभार संभाले हुए करीब 1 महीना हो चुका है, इस दौरान बॉसम हो चुका है | अब तक के जनरल सेक्रेटरी होने का अनुभव कैसा रहा है ? जीवन में क्या बदलाव देखने को मिले हैं ?

उत्तर -अभी केवल एक महीना हुआ है और आगे पूरा एक साल पड़ा है | हाँ, अब तक की बात करें तो इस पद के साथ एक बहुत ही बड़ी जिम्मेदारी जुड़ी है | किसी भी काम करते हुए आपको सिर्फ अपने नहीं पूरे 4000 लोगों के नज़रिए को ध्यान में रखना पड़ता है | थोड़ा कठिन होता है पर फिर भी जनता के लिए काम करके अच्छा महसूस हो रहा है |

प्रश्न २- स्टुडेंट यूनियन में , खासतौर पर प्रेजिडेंट सुधीर बाबू के साथ आपका कैसा तालमेल है ?

उत्तर- सुधीर के साथ अब काफी अच्छी दोस्ती है | उनके साथ काम करना अच्छा लग रहा है | स्टुडेंट यूनियन में भी अभी तक काफी अच्छा तालमेल रहा है | किसी के मन में किसी के लिए भी कोई मनमुटाव नहीं है |

प्रश्न ३- लोगों ने बड़ी उम्मीदों के साथ , आपकी क्षमता और सोच पर भरोसा करते हुए यह पद प्रदान किया है | आप अपनी तरफ से अपने मेनिफेस्टो पॉइंट्स को पूरा करने के लिए क्या प्रयत्न कर रहे हैं ?

उत्तर- मेनिफेस्टो पॉइंट्स पर काम चल रहा है | आई.आई.यू. के लिए बात हो चुकी है | हर छोटी-छोटी बात को ध्यान में रखकर काम करना पड़ता है | अब ओएसिस में सिर्फ एक सप्ताह रह गया है इसलिए ज्यादा ध्यान उसकी तरफ है | परन्तु मैं यह भरोसा दिलाता हूँ की मैं अपने मेनिफेस्टो पॉइंट्स को ज़रूर पूरा करूँगा और बहुत जल्द ही पूरा करूँगा |

प्रश्न ४- मीरा भवन के बाहर रेडी लगवाने का जो आपने वादा किया था ,उसपर कहाँ तक काम हो चुका हैं ?

उत्तर- मीरा भवन में रेडी की जगह एक फ़ूड ज्वाइंट खोला जा रहा है | यह काम थोड़े बड़े पैमाने पर होना है तो उसमे थोड़ा अधिक वक़्त लग रहा है | पर इसको जल्द से जल्द पूरा करने की कोशिश की जा रही है |

प्रश्न ५- इस बार ट्रेन रिज़र्वेशन करवाने की प्रक्रिया में कुछ बदलाव लाये गए हैं | इसका कोई विशेष कारण ?

उत्तर- हाँ, कुछ दिक्कतें आ रही थी | पर अब सब कुछ ठीक हो चुका है | कुछ लोग पहले से रिज़र्वेशन करा चुके हैं | परन्तु जिन लोगों ने अभी रिज़र्वेशन नहीं करवाया है उन्हें पहले जैसी ही सुविधायें मिलेंगी | अगले सेमेस्टर से तो हर कोई इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर ही सकता है |

प्रश्न ६- ओएसिस हमेशा से बिट्स, पिलानी की पहचान के रूप में जाना जाता है | इस बार की तैयारी कैसी चल रही है ? हमें क्या नया देखने को मिलेगा इस बार ?

उत्तर- इस बार की तैयारी काफी अच्छी चल रही है | इस बार शंकर-एहसान-लोय आ रहे हैं | शामक दावर की टीम आ रही है | काफी बड़े-बड़े म्यूज़िक बैंड हिस्सा लेने आ रहे हैं |काफी नए कॉलेज भी इस बार ओएसिस में भाग लेने आ रहे हैं| फैशन परेड के लिए निफ्ट से लोग आ रहे हैं | स्पोंसर्शिप डिपार्टमेन्ट ने बहुत अच्छा काम किया है | इनाम की धनराशि भी बढ़ाने के बारे में सोचा गया है |

प्रश्न ७- सुनने में आया है की इस बार स्पोंसर्शिप काफी कम आई है | इसके कारण जो कठिनाई आएगी उससे निपटने के बारे में क्या सोचा है ?

उत्तर- धीरे-धीरे हमें अच्छी स्पोंसर्शिप मिल रही है | और मुझे पूरी उम्मीद है की अभी हमे और भी अच्छी धनराशि मिल सकती है | इस बार काफी बड़े लेवल पर फेस्ट हो रहा है | मुझे नहीं लगता धन की वजह से हमें किसी भी तरह की कोई कठिनाई का सामना करना पड़ेगा |

यूँ ही चला चल राही ...

अभिजीत मिश्रा बिट्स पिलानी के तीसरे वर्ष के विद्यार्थी हैं | इनके अन्दर साइकिल के लिए अथाह प्रेम है | ये साइकिल से दूर दूर तक सफ़र कर चुके हैं | आइये देखते हैं हिंदी प्रेस क्लब के साथ हुए इनके साक्षात्कार के कुछ अंश --

प्रश्न 1 - आपको ये अभिरुचि कब से है ?

उत्तर - बचपन से ही है | बचपन में मैं अपने 4 दोस्तों के साथ लखनऊ के आसपास के गावों में साइकिल चलाया करता था |अभी उस ग्रुप में सिर्फ मैं ही बचा हूँ |

प्रश्न 2 -पिलानी में आप इस अभिरुचि को कैसे करते हैं ?

उत्तर - शुरु में तो जोश कम था | मेरी अभिरुचि रेलवे, म्यूजिक और साइकिल हैं। पहले मैं पहली दोनों को ज्यादा महत्व देता था लेकिन जैसे कहते हैं कि आवश्यकता ही आविष्कार की जननी है इसलिए एक बार मुझे मार्च 2008 में साइकिल से चिरावा जाना पड़ा | उसके बाद मैंने पीछे मुड़ कर नही देखा |

प्रश्न 3 - आप औसतन कितने देर दिन में साइकिल चलाते हैं ?

उत्तर -दिन में 12-15 km और हफ्ते में 50-70 km | वीकेंड्स में मैं कभी कभी 50km भी चला लेता हूँ |

प्रश्न 4- आप कहाँ कहाँ गए हैं साइकिल से ?

उत्तर- मैं साइकिल से आसपास के गाँव ,झुंझुनू,जयपुर,देल्ही एवं भिवानी जा चुका हूँ |देल्ही से हापुर और फरीदाबाद तथा लखनऊ से कानपूर भी गया हूँ |

प्रश्न 5- आप साइकिल चलते समय कैसे आनंद लेते हैं?

उत्तर -मुझे प्रकृति से बहुत प्रेम है |मैं सफ़र के समय प्रसिद्ध जगह भी देखने जाता हूँ जैसे झुंझुनू में मैंने देवी रानी सति मंदिर का दर्शन किया | मुझे प्रकृति की तस्वीर खीचने का भी शौक है |

प्रश्न 6- आपने आगे के बारे में क्या सोचा है ?

उत्तर मैं सायक्लिंग को बढ़ावा देना चाहता हूँ | मैं अपनी औसत दूरी बढ़ाना चाहता हूँ |मैंने प्रोफैशनल लाइसेंस के लिए फॉर्म भर दिया है और मुझे यह 2 महीने में मिल जाएगा | मुझे मुंबई-पुणे साइकिल मैराथन में भी भाग लेना है |

प्रश्न 7- क्या नौकरी करते समय भी आप अपनी इस अभिरुचि को नही छोडेंगे?

उत्तर- नहीं, इससे मुझे सुकून मिलता है | इससे संकल्प शक्ति भी बढती है |

प्रश्न 8- कोई सन्देश देना चाहेंगे आप ?

उत्तर - साइकिल एक बहुत अच्छा परिवहन का साधन है |यह वातावरण को नुक्सान भी नही पहुंचाता है |साइकिल चलाना कोई शर्म की बात नही है | इसकी सहायता से हम अपनी प्रकृति माँ को जितना दे सकें उतना कम है |

दिनांक	यात्रा	रोड	वाया	दूरी	समय-अवधि
अगस्त 2,2009	*पिलानी - दिल्ली*	*SH -19,16 NH -10*	*भिवानी, रोहतक*	*225 किलोमीटर*	*9 घंटे 45 मिनट*
जुलाई 18,2009	*कानपुर- लखनऊ*	*NH - 25*	*उन्नाव*	*84 किलोमीटर*	*3 घंटे 20 मिनट*

आदित्य बिरला स्कॉलर से मुलाकात

भारत की प्रतिष्टित छात्रवृत्तियों में से एक " आदित्य बिड़ला छात्रवृत्ति " पाने का गौरव इस वर्ष बिट्स पिलानी के दो छात्र - वल्लरी अग्रवाल और शिवम राय को प्राप्त हुआ | इस छात्रवृत्ति के लिए बिट्स पिलानी और पाँच IIT के शीर्ष 120 छात्रों ने आवेदन किया था किन्तु इनमे से केवल 20 छात्रों को मुंबई जाकर साक्षात्कार देने का मौका मिला जिनमे से तीन बिट्स पिलानी से थे | इन छात्रों को दो निबंधों के आधार पर चयनित किया गया था | शिवम ने हमे बताया कि मुंबई में 25 व 26 सितम्बर का उनका यह दो दिवसीय अनुभव बहुत ही शानदार रहा जहां उन्हें न सिर्फ भारत के शीर्ष विद्यार्थियों से बल्कि कुमार मंगलम बिड़ला व राजश्री बिड़ला जैसी महान हस्तियों से भी रूबरू होने का मौका मिला | वल्लरी ने हमे बताया कि उन्हें वहाँ IIM कोलकाता के कुछ एक्स-बिट्सियन्स से भी मिलने का मौका मिला जिन्होंने उन्हें साक्षात्कार का दबाव कम करने के उपाय बताये | उन्हें 65,000 रूपये प्रति वर्ष कि छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी ,परन्तु उन्हें आगे भी अच्छा शैक्षणिक प्रदर्शन दिखाते रहना पढ़ेगा | वल्लरी भविष्य में सैद्धांतिक कंप्यूटर साइंस में शोध करना चाहती हैं जिसके लिए वे बिट्स की फ्लेक्सिबिलिटी का लाभ उठाते हुए गणित के इलेक्टिवेस लेना चाहेंगी | वहीं शिवम किसी के अधीन काम न करके अपने बल पर कुछ करना चाहते हैं |

अंतरिक्ष की उड़ान

खगोल विज्ञान के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष (इंटरनेशनल ईयर ऑफ़ एस्ट्रोनोमी 2009) व विश्व अंतरिक्ष सप्ताह (4-10 अक्टूबर)के उपलक्ष्य में एस्ट्रो क्लब बिट्स पिलानी द्वारा एस्ट्रो वर्कशॉप का आयोजन किया गया | इसमें बिट्स के लगभग 150 छात्रों के साथ साथ बी. एस. एस. व शिशु विहार के भी छात्रों ने भाग लिया |

प्रथम दिन उदघाटन समारोह हुआ जिसमें खगोल के कुछ जाने अनजाने तथ्यों व जानकारियों को पाने का मौका मिला | द्वितीय दिन बी. एस. एस. के छात्रों के लिए सेशन रखा गया | स्कूल के बच्चों के अनेक सवालों का जवाब क्लब के सदस्यों द्वारा दिए गए| तृतीय दिन कारबेलकर सर द्वारा खगोल के कुछ बुनियादी सिद्धांतों से छात्रों

का परिचय कराया गया | उसी रात को NSS व निर्माण के 112 बच्चों को चाँद को दूरबीन से करीब से देखने का मौका मिला | अगली शाम सेशन सिर्फ बिट्स के छात्रों के लिए था जिसमें 80-90 छात्रों ने चंद्रमा व जुपिटर को देखा | 8 की शाम को कारबेलकर सर द्वारा ब्लैक होल्स पर ज्ञानवर्धक लेक्चर दिया गया | उसी शाम को शिशु विहार की लड़कियों के लिए सेशन हुआ | अगले दिन सूरज और उससे जुड़े हुए तथ्यों से अवगत कराया गया | सप्ताह का अंत अमेचर एस्ट्रोनोमर्स सोसाइटी के लोगों का एस्ट्रोफोटोग्राफ़ी के प्रदर्शन से हुआ |

पूरे सप्ताह में लोगों का उत्साह और स्कूली बच्चों की जिज्ञासा द्रष्टव्य थी | यह एक सफल आयोजन सिद्ध हुआ |

बॉसम 2009 के कुछ अनूठे पहलू

10 अक्टूबर की रात्रि बॉसम की समीक्षा हेतु बैठक हुई |इस दौरान बॉसम संबंधित कई सकारात्मक बातें उभर कर आई |अगर इस वर्ष बॉसम-2009 के आयोजन व स्वरुप पर नज़र डाली जाए तो इसे निश्चित रूप से अत्यधिक सफल कहा जाएगा |

- इस वर्ष करीब 1050 प्रतिभागियों ने बॉसम में हिस्सा लिया जो की अपने आप में एक रिकॉर्ड हैं तथा उनके रहने-खाने की व्यवस्था भी काफी सुचारू रूप से की जा सकी |
- पिछले वर्ष की तुलना में इस बार प्रायोजकों की संख्या में भी बढ़ोतरी देखने को मिला तथा 14 लाख के करीब स्पोंसेर्शिप आई| तदनुसार पुरूस्कार राशि भी पिछले वर्षों की तुलना में अधिक थी |
- इस वर्ष पहली बार उद्घाटन समारोह में क्षेत्रिय संघों द्वारा प्रस्तुति दी गयी तथा बॉसम के दौरान वेस्टर्न नाइट का भी सफलतापूर्वक आयोजन किया गया |

वहीं बॉसम को और बेहतर बनाने हेतु कई सुझाव भी दिए गए |अंतिम समय तक पंजीकरण से होने वाली दिक्कतों से बचने के लिए 1 सप्ताह पूर्व ही पंजीकरण समाप्त करने का सुझाव दिया गया | सभी की सम्मति से यह बात स्वीकार की गयी कि वर्तमान कप्तान नए कप्तानों को बॉसम में स्वयं को होने वाली दिक्कतों से अवगत कराएँ जिससे कि पुरानी गलतियाँ दोहराई ना जायें | इसी दौरान १ और अच्छी बात उभर कर आई कि फेस्ट की सफलता का मापदंड प्रतिभागियों की संख्या नहीं अपितु बिट्स द्वारा प्रदत्त सुविधाओं से उनका संतुष्ट होकर वापस लौटना है|

इस अवसर पर एस डब्लू डीन श्री एन वी मुरलीधर राव सर भी मौजूद थे | उन्होंने बॉसम के दौरान काम करने वाले सभी क्लब एवं डिपार्टमेन्ट एवं पहली बार बने बॉसम वित्तीय कमीटी के कार्य की सराहना की तथा छात्र संघ द्वारा बॉसम आयोजित करने के विचार को अस्वीकार करते हुए कहा कि खिलाड़ियों द्वारा ही इसका आयोजन किया जाना उचित होगा | स्थायी रौशनी के ना लग पाने पे उन्होंने दुःख व्यक्त किया | हालांकि समापन समारोह के स्वरुप में छात्रों के रुझान में कमी देखते हुए चिंता जताई तथा इसके स्वरुप को बेहतर बनाने की बात कही |

yes!+ कार्यशाला

श्री-श्री रविशंकर द्वारा संस्थापित आर्ट ऑफ़ लिविंग पाठ्यक्रमों को विश्वभर में काफी लोकप्रियता मिली है | बिट्स में भी इस बार बॉसम के दौरान पांचवा yes!+ आयोजित किया गया | yes!+ पाठ्यक्रम विशेष तौर पर युवाओं के लिए है जिसमें इस बार 84 बिट्सियन्स पंजीकृत हुए | यह कार्यशाला 15 से 21 सितम्बर तक गाँधी हॉल,CEERI में आयोजित की गयी |इस कार्यशाला में विभिन्न खेलों,सामूहिक क्रियाकलापों,मंच प्रदर्शन के साथ-साथ पर्याप्त मात्रा में योग और दूसरी शक्तिशाली तकनीकों को सिखाया जाता है जो युवाओं को जीवन में तनाव दूर करने में सहायक होती है | इस बार इस पाठ्यक्रम के अध्यापक विशाल (IIT दिल्ली)बंगलूरु से आये थे | 21 सितम्बर को LTC क्यु..टी. में yes!+ नाईट का आयोजन किया गया जिसके लिए दिल्ली से ए.ओ.आई अध्यापक दीपन,सलिल,रोहित का पूरा दल आया था | सबसे पहले तो हाल ही में yes!+ स्नातक बिट्सियन्स ने अपने अनुभव और कोर्स से हुए फायदों के बारे में बताया जिसमें सकरात्मक दृष्टिकोण ,बातचीत और व्यावहारिक कौशल, आत्मविश्वास और एकाग्रता में वृद्धि ज्यादातर युवाओं ने बताया | इसके बाद दिल्ली से आये दीपन ने अपने गिटार की धुन पर हिंदी भजनों को पाश्चात्य शैली मैं गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया| दिल्ली से आये इस दल ने जब सूफी गानों-तेरी दीवानी..., सैआं.... का वादन किया तब तो सभी श्रोतागण झूमने पर मजबूर हो गए|

इस ओएसिस में

राहुल बोस

इस वर्ष ओएसिस के उद्घाटन समारोह के दौरान राहुल बोस मुख्य अतिथि होंगे जिनसे हर भारतीय वाकिफ तो जरुर होगा | चाहे वो उनके रुपहले परदे पर की कलाकारी हो या उनके सामाजिक जीवन से जुडी गतिविधियाँ | वे *anti-discrimination* NGO संगठन के संस्थापक भी हैं | बोस भारत के अंतरराष्ट्रीय रग्बी टीम (राष्ट्रीय ऑरेंज इंडियन रग्बी टीम) के पूर्व सदस्य हैं |

प्रौफ़ शो

शंकर एहसान लॉय

इस ओएसिस हमारे बीच होंगे शंकर महादेवन, एहसान नूरानी और लॉय मेंदोंसा की तिकड़ी| जी हाँ, **झंकार** का यह प्रयास इस ओएसिस का मुख्य आकर्षण बना हुआ है | अब तो बस इंतज़ार है की कब रॉक ऑन, दिल चाहता है, मिशन कश्मीर आदि के गाने इस तपती रेत को ठंडा करेगी |

रेनबो ब्रिज

रेनबो ब्रिज ने अपने संगीत के मूल ब्रांड के साथ पिछले कुछ वर्षों में भारतीय संगीत के परिदृश्य पर एक अनोखी छाप छोड़ी है| मूल रॉक, लोकगीत की धूम के साथ कर्नाटक और हिंदुस्तानी संगीत का मसालेदार रॉक एन रोल का यह अद्वितीय मिश्रण इस बैंड की पहचान है |

सुनील पाल

हिंदी कार्यकारिणी समिति द्वारा इस वर्ष आपके समक्ष प्रस्तुत होंगे ऐसी हीं दो हस्तियाँ, जो आपको गुदगुदातें नहीं थकेंगे |

सुनील पाल

ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज 2005 के विजेता |

रास बिहारी गौड़

ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेन्ज 4 के फाइनलिस्ट

डिपार्टमेन्ट ऑफ़ थिएटर (बिट्स,पिलानी) ने कुछ निम्नलिखित संस्थानों से टाई अप किया है :-

1) **Glitz अकादमी** : फैशन के लिए|

2) **SDIPA (Shiamak डावर मंचन कला संस्थान)|** इस सहयोग के भाग के रूप में, SDIPA के प्रशिक्षक वार्षिक नृत्य कार्यशाला का आयोजन करेंगे | इसके अलावा, SDIPA ओएसिस के दौरान तीन प्रमुख नृत्य कार्यक्रमों : स्ट्रीट डांस, Razzmatazz और Choreo के निर्णायक मंडली की शोभा बढायेंगे |

3)भारत के सबसे बड़े समूह के युवा रंगमंच महोत्सव **"थेस्पो"** के इस अक्तूबर पिलानी आने की बात आती है| सिर्फ यही नहीं ओएसिस में थेस्पो द्वारा चयनित थिएटर समूह को राष्ट्रीय समारोह का एक हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा जिसका आयोजन 8 दिसम्बर को किया जाना तय है |

ओएसिस 2009 से जुड़ी कुछ आंकड़े :-

प्रतिभागी कॉलेजों की संख्या : 60 से अधिक

प्रतियोगियों की संख्या: 1350 लोगों का आना तय

ओएसिस के दौरान होने वाले इवेंट्स की संख्या: 49

ओएसिस 2009 स्पोंसेर्शिप

अभी तक **कुल** स्वीकृत राशि : 18.5 **लाख**

प्लेटिनम प्रायोजक : **ब्लैक्बेर्री**

एसोसिएट टाइटल प्रायोजक : **स्प्राईट**

गोल्ड प्रायोजक :**रेमंड, फंडागोली , मोंटे कार्लो**

प्लेसमेंट - एक नज़र में

हिंदी प्रेस ने परिसर में चल रहे प्लेसमेंट के बारे में पता करने के लिए प्लेसमेंट डीन श्री एम् एस दासगुप्ता एवं प्लेसमेंट समन्वयक चतुर्थ वर्षीय छात्र आयुष बंसल से बातचीत की |प्रस्तुत हैं इस मुलाकात के कुछ अंश -

प्रश्न - अब तक हुए प्लेसमेंट के बारे में बताएं तथा आने वाली कंपनियों के रुझान के बारें में बताएं?

जवाब -बिट्स के स्नातक छात्र अपने विभाग से परे रोजगार पाने के काबिल हैं | वो स्नातक की डिग्री लने से पहले रोजगार पा लेंगे , इसी विश्वास के साथ मैं काम करता हूँ | नहीं तो उस काम में कोई मजा नहीं है अगर मैं युद्ध में जाने से पहले ही मान लूं कि मैं हार जाऊंगा |

- अभी तक कुल **35 कंपनियां** आ चुकी हैं तथा **180 छात्रों** का स्थानान हो चुका हैं |
- अभी तक हुए प्लेसमेंट में **सबसे अधिक वेतन** पैकेज वाली कंपनियाँ **amazon** एवं **shell** हैं , जिनका सालाना वेतन **14 लाख** हैं | इन दोनों ही कंपनियां ने **दो-दो छात्रों का चयन** किया हैं |
- कुछ प्रमुख नियोक्ताओं में से हैं **BHEL,NTPC एवं HP** जिन्होंने **20 से** भी **अधिक** की संख्या में छात्रों का चयन किया हैं |
- आने वाली कंपनियों में **मेकैनिकल, सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रानिक्स** के लिए आने वाली कंपनियों की संख्या **अधिक** हैं |
- अभी तक हुए प्लेसमेंट के आधार पर **औसत वेतन** करीब **6 – 7 लाख** हैं |

प्रश्न - ज्यादातर छात्र यह सोचते हैं कि प्लेसमेंट के लिए प्रथम सेमेस्टर बेहतर है | इस पर आप क्या कहना चाहेंगे |

उत्तर - प्लेसमेंट सेमेस्टर चुनाव के लिए कई कारक होते हैं जैसे कि जी आर ई या कैट की तैयारी , प्रैक्टिस स्कूल का चुनाव इत्यादि | छात्र अपनी प्राथमिकताओं को ध्यान में रख कर ही यह निर्णय लेते हैं |

प्रश्न - क्या आपको कंपनियों को पिलानी बुलाने में किसी विशेष परेशानी का सामना करना पड़ता हैं ?(जैसे पिलानी की भौगोलिक स्थिति)

उत्तर - संयोग से हमारे पास इतने अच्छे छात्र तथा शिक्षक हैं कि अगर कोई कम्पनी सिर्फ हमारी भौगोलिक स्तिथि के वजह से नहीं आ रही है तो या तो वह झूठ बोल रही है या हमसे अनजान है |ज्यादातर जिम्मेदार कंपनियों को पता है कि अच्छे छात्रों के लिए
उन्हें बिट्स पिलानी आना पड़ेगा |

प्रश्न -यह मानते हुए कि अर्थव्यवस्था अभी मंदी के दौर से उभर ही रही है , आप प्लेसमेंट के लिए तैयार छात्रों को क्या सुझाव देना चाहेंगे ?

उत्तर - इस सेमेस्टर में मुझे ऐसा लगता है कि मै बेहतर माहौल में काम कर रहा हूँ |कठिन समय में छात्रों को कठिन निर्णय लेने के लिए तैयार होना चाहिए |अगर मनपसंद जॉब नहीं मिले तो उच्च शिक्षा एक अच्छा अवसर है |

प्रश्न - अभी और कितनी कंपनियों का कैम्पस में आना बाकी है ?

उत्तर - अभी फिलहाल 5 और कंपनियाँ आने वाली हैं तथा विभिन्न रूपरेखा की अन्य कंपनियों से भी आने की बात चल रही हैं |